संत अलॉयसियस स्वशासी महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

कक्षा	बी.ए. तृतीय वर्ष	
सत्र	2022–2023	
विषय	प्रयोजनमूलक हिंदी	
प्रश्न–पत्र	प्रथम	
प्रश्न–पत्र का शीर्षक	राजभाषा एवं कार्यालयीन हिन्दी	
अनिवार्य / वैकल्पिक	वैकल्पिक	
अधिकतम अंक	सैध्दांतिक मूल्यांकन	आंतरिक मूल्यांकन
50	40	10

अधिगम (Course Out Come)

1. आकाशवाणी एवं दूरदर्शन में प्रसारण प्रक्रिया तथा प्रणाली का ज्ञान
2. दृश्य–श्रव्य माध्यमों में प्रसारित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों – टेली ड्रामा, साक्षत्कार, फीचर लेखन आदि का परिचय
3. उद्यमिता विकास के विभिन्न पहलुओं का सैध्दांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान
4. उपर्युक्त आधार पर रोजगार के अवसर

पाठ्यक्रम विवरण

प्रथम इकाई	प्रसारण के मूलभूत सिद्धांत एवं विकास, प्रसारण की आचार संहिता। आकाशवाणी और दूरदर्शन में प्रसारण की प्रकिया एवं प्रणाली। आकाशवाणी एवं दूरदर्शन की जनमाध्यम के रूप में उपयोगिता।
द्वितीय इकाई	टेलीड्रामा, साक्षात्कार एवं फीचर लेखन, साक्षात्कारकर्ता की वि ोषताएँ। दृश्य एवं श्रव्य माध्यम लेखन में अंतर।
तृतीय इकाई	आकाशवाणी– दूरदर्शन की भाषा और उसका स्वरूप। शब्द, वाक्य, ध्वनि प्रयुक्ति सहित दूरदर्शन एवं आकाशवाणी का प्रयोजनमूलक हिन्दी स्वरूप उपलब्धियाँ, एवं सम्भावनाएँ।
चतुर्थ इकाई	उद्यमिता से तात्पर्य, उद्यमिता की अवधारणा, आवश्यकता तथा सफल उद्यमी बनने के गुण, प्रयोजनमूलक हिन्दी से विकसित होने वाली रोजगारमूलक दिशाएँ।
पंचम इकाई	उद्यमिता का व्यावहारिक स्वरूप, किसी उद्यम की संकल्पना, प्राथमिक योजना प्रपत्र बनाना एवं उद्यम स्थापिजत्रत करने का सैद्धान्तिक व व्यावहारिक पक्ष।

सहायक पुस्तकें

1. प्रयोजन मूलक हिंदी – विनोद गोदरे
2. राजभाषा हिंदी – भोलानाथ तिवारी
3. प्रयोजन मूलक हिंदी – मुश्ताक अली
4. हैलो मीडिया – डॉ. आभा मिश्रा
5. सम्पूर्ण पत्रकारिता – अर्जुन तिवारी
6. प्रयोजन मूलक हिंदी – कैलाश चंद्र भारिया
7. प्रयोजन मूलक हिंदी – दंगल झालटे
8. प्रयोजन मूलक हिंदी का स्वरुप – महाले
9. शासकीय पत्र लेखन – ओमप्रकाश सिंहल
10. कार्यालयीन हिंदी – हरिबाबू बंसल
11. प्रारुपण, टिप्पण एवं प्रूफ पठन – भोलानाथ तिवारी
12. प्रयोजन मूलक हिंदी – डॉ. पुरुषोत्तम बाजपेई
13. अनुवाद चिंतन – डॉ. एस.एन. शर्मा
14. हिंदी पत्रकारिता स्वरुप एवं सन्दर्भ – विनोद गोदरे
15. व्यावसायिक हिंदी – पुष्कर सिंह
16. प्रयोजन मूलक हिंदी – डॉ. रमेश तरुण

अंक विभाजनः–

नियमित–40

1. 5×6= 30 – दीर्घ उत्तरीय
2. 2×2.5= 05 – लघु उत्तरीय
3. 5×1= 05 – वस्तुनिष्ठ

आंतरिक मूल्यांकन – अंक विभाजन

तिमाही 05 अंक, छैमाही 05 अंक